A–0624

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-610

MA Jyotish (MAJY)

ज्योतिषशास्त्र एवं यात्रा विमर्श-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. घात चंद्र का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. यात्रा काल में होने वाले शुभ शकुनों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. प्रश्नकालिक लग्न के अनुसार विजय प्रद योगों का वर्णन कीजिए।

4. त्रिविध यात्रा में शुद्धि विचार कैसे किया जाता है ? निरूपण कीजिए।

5. यात्रा मुहूर्त का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. घात नक्षत्र का विवेचन कीजिए।

2. कालशूल एवं नक्षत्रों की त्याज्य घटियों का विवेचन कीजिए।

3. यात्रा में सम्मुख शुक्र दोष एवं शुक्र वक्रत्व दोष का परिचय दीजिए।

4. यात्रा में अयन शुद्धि का विवेचन कीजिए।

5. दिशाओं के स्वामियों का परिचय देते हुए उसके प्रयोजन को लिखिए।

6. यात्रा के द्वारा राज्य प्राप्ति योगों को लिखिए।

7. दिक् दोहद्, वार दोहद एवं तिथि दोहद का परिचय दीजिए।

8. यात्रा काल में होने वाले अपशकुन एवं उसके शांति विधान को लिखिए।

****